साथ साथ हैं जैसा सुपरहिट फिल्मों में गाने गाए हैं। दर्शन के बाद गायक राठौड़ मोंदर परिसर और गार्डन का भी अवलोकन करने के लिए गए।

पत्रकारों को बताया कि संत का संदेश समाज में फैलाने

अशोकनगर, 100फीट रोड, शोभागपुरा होते हुए रूपनगर

सिटी, गोपाल परमार और आरजेएस नरेंद्र मेघवाल होंगे।

चिकित्सा क्षेत्र में इसकी भूमिका और भविष्य में

और सत्र आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

म्यूजिक फेस्टिवल 2025

कर्नाटक, फारसी, लोक और समकालीन संगीत के संगम की यूफोरिया, कर्ष काले और पीटर टेगनर, डेलगोचा एन्सेम्बल ने दी प्रस्तुति

भारतीय, पॉप और फ्यूजन बैंड की मची धूम

उदयपुर, 8 फरवरी (पंजाब केसरी): हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड और राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के सहयोग से सहर द्वारा आयोजित वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल 2025 के दूसरे दिन शनिवार को मांजी घाट, फतहसागर की पाल और गांधी ग्राउण्ड पर भारतीय, पॉप और फ्यूजन बैंड ने धूम मचाई। यहां कार्नेटिक, फारसी, लोक और समकालीन संगीत के संगम की यूफोरिया, कर्ष काले और पीटर टेगनर, डेलगोचा एन्सेम्बल और अन्य ने मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को विश्व की विभिन्न संगीत परंपराए व प्रस्तुतियों से रूबरू कराया।

शनिवार सुबह की शुरुआत सिटी पैलेस और जग मंदिर के सामने मांजी का घाट से हुई, जहां दर्शकों ने ऋत्विक राजा के भावपूर्ण कार्नेटिक संगीत के साथ शांतिपूर्ण शुरुआत का आनंद लिया। इसके बाद ईरान के डेलगोचा एन्सेम्बल ने दर्शकों को रैडिफ परंपरा के माध्यम से फारसी शास्त्रीय संगीत से परिचित कराया। दोपहर में फतहसागर पाल पर चिताई ने पॉप और फंक के अपने फ्यूजन से वहां मौजूद संगीत प्रेमियों का मनोरंजन किया, जबकि अली डोगन गोनुलतास और उनके कलाकारों ने कुर्दिस्तान और तुर्की की लोक परंपराओं को जीवंत कर दिया। सत्र के समापन पर कर्ष काले और पीटर टेगनर ने अद्वितीय साउंडस्केप के लिए इलेक्ट्रॉनिक और ध्वनिक संगीत का फ्यूजन किया।

शाम को गांधी ग्राउण्ड के सजीले मंच पर विश्व संगीत की जानी मानी हस्तियों ने जुगलबंदी साथी। सारंगी ऑर्केस्ट्रा ने पारंपरिक धुनों के साथ शुरुआत की। उसके बाद कुटले खान ने लयबद्ध राजस्थानी लोक कला के अपने सुरों को बुलंद किया। रियूनियन आइलैण्ड के जिसकासन ने अफ्रीकी, एशियाई और यूरोपीय ध्वनियों को मिलाते हुए क्रियोल प्रभावों को प्रस्तुत किया। रात के सबसे बहुप्रतीक्षित कलाकारों की प्रस्तुति में से एक यूफोरिया ने दर्शकों को उनके हिंदी रॉक एंथम के साथ गाने पर मजबूर कर दिया। समापन पर हंगरी के रोमानो ड्रोम के जिप्सी संगीत ने भारतीय और आधुनिक शैलियों को एक साथ लाकर शाम को एक शानदार अंदाज में समाप्त किया। फेस्टिवल के 7वें संस्करण का समापन रविवार को होगा।